बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

द्वितीय तल, पंत भवन, नेहरू पथ (बेली रोड़), पटना-800001
Tel.: + 91 (0612) 2547232, Fax,+ 91 (0612) 2547311, visit: www.bsdma.org; e-mail:info@bsdma.org

सुरक्षित दीपावली पर्व हेतु सलाह (Advisory)

दीपावली भारतवर्ष के प्रमुख त्यौहारों में से एक है। इस मौके पर लोग अपने घरों को रोशनी से जगमगाते हैं और अपनी खुशियों को व्यक्त करने के लिए पटाके जलाते हैं, लेकिन जरा सी असावधानी के कारण हर साल अनेकों लोग इन्हीं पटाकों के कारण न सिर्फ झुलस जाते हैं बल्कि अपंगता के शिकार हो जाते हैं। यह दीपावली खुशियों से आबाद रहे और आपका परिवार पूरी तरह सुरक्षित रहें इसके लिए निम्नलिखित बातों पर ध्यान दें।

माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेशानुसार नियमों का उल्लंधन करने वालों पर दंड/अर्थदंड लगाया जा सकता है।

क्या करें

- दीपावली ज्योति का पर्व है, दिये जलाएँ पटाके न जलाएँ।
- आतिशबाजी करते समय सूती या अज्वलनशील वस्त्रों का ही उपयोग करें।
- चकरी/अनार को समतल जमीन पर ही जलाएँ।
- बच्चे अभिभावक की निगरानी में ही आतिशबाजी करें।
- आतिशबाजी के लिए कम ध्वनि के हरित पटाके सुरक्षित तरीके से जलाएँ।
- आतिशबाजी करते समय पास में पानी से भरी बाल्टी अवश्य रखें।
- आँख में कुछ पड़ने पर ठंडे पानी से धोएँ एवं अविलम्ब चिकित्सक से सलाह लें।

प्राथमिक उपचार

- सर्वप्रथम घायल व जले हुए व्यक्ति को सुरक्षित स्थान पर ले जायें।
- घायल या जले हुए व्यक्ति को जल्द से जल्द नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र तक पहुचाएं एवं चिकित्सीय सलाह लें।
- जले हुए भाग पर राख, मिट्टी, पाउडर, बटर, ग्रीस अथवा कोई अन्य पदार्थ न डालें।
- जले हुए भाग को साफ सूती कपड़ों से ढक दें।
- प्राथमिक उपचार के बाद और अधिक जल जाने की स्थिति में विशेषज्ञ चिकित्सक से सलाह लें।

क्या न करें

- हरित पटाके जलाते समय ढीले या सिन्थेटिक कपड़े न पहनें।
- हरित पटाके हाथ में रख कर न जलाएँ।
- यदि आँख में कुछ आ जाए तो इसे जबरदस्ती निकालने का प्रयास न करें।
- आधे जले या न जल सके (Misfired) हरित पटाकों को पुनः जलाने का प्रयास न करें।
- घर के अंदर आतिशबाजी न करें।
- हवा में उड़ने वाले हरित पटाकों को जलाने से परहेज करें।

आपात स्थिति में पुलिस की सहायता हेतु–100, अग्निशमन हेतु–101, एम्बुलेंस हेतु–102, एवं आपदा प्रबंधन हेतु–1070 पर संपर्क करें।

पटाकों से वायु एवं ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है। वायु एवं ध्वनि प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, इसके मद्देनजर राज्य सरकार द्वारा पटना, गया, मुजफ्फरपुर एवं हाजीपुर शहरों में पटाकों की बिक्री एवं उपयोग पर रोक है।

सुरक्षित दीपावली

शुभ दीपावली